Patrika (Indore), 22nd December, Page-08

आइआइटी इंदौर में सतत विकास पर संगोष्ठी

तकनीकी प्रगति के साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता भी जरूरी

इंदौर @ पत्रिका. आइआइटी इंदौर ने सतत विकास और पर्यावरणीय चुनौतियों पर संगोष्ठी की। इसका मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक, औद्योगिक और शैक्षिक समुदाय को मंच प्रदान करना था, ताकि वे पर्यावरणीय स्थिरता और विकासशील तकनीकों के प्रभावी समाधान खोजने पर विमर्श कर सकें।

संगोष्ठी में देश-विदेश के प्रमुख विशेषज्ञ, शोधकर्ता, और पर्यावरणविद् रने जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी व कचरा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर चर्चा की। आइआइटी इंदौर के इलेक्ट्रिकल विभाग की प्रोफेसर ट्रिप्ति जैन ने 'स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा स्थिरता' पर सत्र आयोजित किया। 'हरित प्रौद्योगिकी: पर्यावरणीय स्थिरता के लिए हरित नवाचारों की आवश्यकता', 'स्मार्ट सिटीज: स्मार्ट शहरों के विकास में ऊर्जा संरक्षण की भूमिका' और 'कचरा प्रबंधन-अपशिष्ट पुनर्चक्रण और प्लास्टिक मुक्त समाज का महत्व पर भी चर्चा हुई। आइआइटी इंदौर ने संदेश दिया कि तकनीकी प्रगति और पर्यावरणीय स्थिरता साथ-साथ चलनी चाहिए।